अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2012) | दिनांक 24.12.2012

छठा वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

पच्चीस बोल, तत्त्वचर्चा, पच्चीस बोल की चरचा, पच्चीस बोल की चतुर्भंगी – 20

प्र.1 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में लिखें – 5

(क) स्तनित कुमार का दण्डक कौन सा है?

(ख) करूँ नहीं, कराऊँ नहीं, अनुमोदूँ नहीं – मन से, वचन से, काया से – यह भांगा कौन से अंक का व कितना भांगा है।

(ग) गुण से – गलन मिलन स्वभाव – यह कौन सा द्रव्य है?

(घ) वचन प्रवृत्ति आश्रव के प्रतिपक्षी संवर का नाम लिखें?

(ङ) जीव को अजीव समझना – यह कौन से नम्बर का मिथ्यात्व है?

(च) असत्य वचनयोग – यह कौन से बोल का कौन सा नम्बर योग है?

(छ) काल – द्रव्य से कितने द्रव्य हैं?

प्र.2 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें – 5

(क) अरहंत भगवान देवता या मनुष्य?

(ख) श्रावक तपस्या का पारणा करे, वह व्रत में या अव्रत में?

(ग) तुम्हारे में ध्यान कितने?

(घ) जीवास्तिकाय चोर और साहूकार या दोनों, क्यों?

(ङ) अधर्म और धर्मास्ति एक या दो?

(च) आठ कर्मों में पुण्य कितने पाप कितने?

(छ) दया छः में कौन? नौ में कौन?

प्र.3 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें – 5

(क) जीव के नौ भेद किसमें? कौनसे? (ख) पाँच गुणस्थान किसमें? व कौन से?

(ग) पाँच योग किसमें? व कौन से? (घ) सतरह दण्डक किसमें? व कौन से?

(ड) तीन द्रव्य किसमें? व कौन से? (च) छः प्राण किसमें? व कौन से?

(छ) पाँच आत्मा किसमें? व कौन सी?

प्र.4 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें – 5

(क) ध्यान किस कर्म का उदय? (ख) किस योग के जीव कम, किस योग के जीव अधिक?

(ग) गुणस्थान किस कर्म का उदय? (घ) तुम्हारे में संवर के भेद कितने?

(ड.) किस लेश्या के जीव कम? किस लेश्या के जीव अधिक? (च) इन्द्रिय जीव या अजीव?

(छ) आत्मा किस कर्म का उदय?

प्रतिक्रमण, जैन तत्त्व प्रवेश (प्रथम खण्ड), कर्म प्रकृति – 20

प्र.5 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें – 10

(क) दृष्टांत द्वार के आधार पर निर्जरा तत्त्व पर रूपक लिखें।

(ख) सावद्य निरवद्य द्वार लिखें।

(ग) वस्तुत्त्व, द्रव्यत्त्व किसे कहते हैं?

(घ) ज्ञानावरणीय कर्म के क्षयोपशम से होने वाली अवस्थाएँ लिखिए।

(ङ) ज्ञानावरणीय कर्म बन्ध के कारण लिखें।

(च) मोहनीय कर्म को उदाहरण द्वारा समझाएँ।

(छ) पुण्य, पाप और बंध का द्रव्य, क्षेत्र, काल भाव और गुण लिखें।

प्र.6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें – 4

(क) आलोलना सूत्र लिखें 'अथवा' क्षमायाचना सूत्र लिखें।

(ख) ब्रह्मचर्य अणुव्रत के अतिचार 'अथवा' अनर्थदंड विरमण व्रत लिखें।

प्र.7 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 6

(क) मोहनीय कर्मबंध के हेतु व स्थिति लिखें।

(ख) कर्म की दस अवस्थाओं में से अपवर्तना 'अथवा' उदीरणा को समझाएँ।

(ग) ज्ञानावरणीय कर्म की 'अथवा' अंतराय कर्म की गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

बावन बोल, इक्कीस द्वार, जैन तत्त्व प्रवेश (द्वितीय व तृतीय खण्ड) – 20

प्र.8 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें – 6

(क) पांचवा बोल – आठ आत्मा में सावद्य कितनी? निरवद्य कितनी?

(ख) तेईसवाँ बोल – चौदह गुणस्थान छः द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ग) सातवाँ बोल – जीव पदार्थ कितने भाव? यावत् मोक्ष पदार्थ कितने भाव?

(घ) चालीसवाँ बोल – आस्रव के बीस बोल कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ड) पच्चीसवाँ बोल – दया हिंसा कितने भाव? कितनी आत्मा?

प्र.9 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें – 6

(क) अचरम में गुणस्थान, उपयोग, भाव, आत्मा, दृष्टि, पक्ष कितने व कौन से पाते हैं?

(ख) तेजोलेश्यी में जीव का भेद, उपयोग, लेश्या, दंडक गुणस्थान व पक्ष कितने व कौन से पाते हैं?

(ग) औपशमिक सम्यक्त्वी में जीव का भेद, गुणस्थान, उपयोग, दंडक, भाव वीर्य कौन से व कितने पाते हैं?

(घ) स्त्रीवेदी में जीव के भेद, गुणस्थान, योग, उपयोग, दण्डक, दृष्टि कौन सी व कितनी पाती है?

प्र.10 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें – 8

(क) नय किसे कहते हैं? उसके सात प्रकार के नाम व दो प्रकार के नाम लिखें।

(ख) अंग व दृष्टिवाद के भेदों के नाम लिखें।

(ग) व्रताव्रत की परिभाषा लिखते हुए चारित्र और निर्ग्रन्थ के प्रकार लिखिए।

(घ) धर्म किसे कहते हैं? धर्म के चार भेद व दस भेद के नाम बतायें?

लघु दण्डक व पांच ज्ञान – 20

प्र.11 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें – 12

(क) ग्यारहवाँ वेद द्वार लिखें। (ख) स्थिति द्वार में युगलियों की स्थिति लिखें।

(ग) बीसवाँ उत्पत्ति द्वार लिखें। (घ) पंद्रहवाँ ज्ञान द्वार लिखें।

(ड) तीसरा संहनन द्वार लिखें।

प्र.12 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें – 8

(क) अवग्रह आदि का दो दृष्टांतों से निरूपण कीजिये।

(ख) हीयमान, प्रतिपाति, अप्रतिपाति अवधिज्ञान की व्याख्या करें?

(ग) मति ज्ञान का विषय लिखें।

(घ) श्रुत ज्ञान किसे कहते हैं? उसके चौदह प्रकारों के नाम लिखते हुए सम्यक् श्रुत, मिथ्याश्रुत अर्थ सहित लिखें?

संजया–नियंठा – 20

प्र.13 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें – 12

(क) परिहार विशुद्धि चारित्र का काल द्वार लिखें?

(ख) छेदोपस्थापनीय चारित्र किसे कहते हैं? उसके प्रकार व्याख्या सहित लिखें।

(ग) यथाख्यात चारित्र का आकर्ष द्वार लिखें।

(घ) सामायिक चारित्र का प्रव्रज्या द्वार लिखें।

(ड) स्थित कल्प, अस्थित कल्प, जिन कल्प, व कल्पातीत किसे कहते हैं?

(च) परिहार विशुद्धि चारित्र किसे कहते हैं? समझाइये?

प्र.14 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें – 8

(क) बकुश का काल द्वार लिखें।

(ख) कषाय कुशील की गति, पदवी, स्थिति, शरीर लिखें?

(ग) पुलाक किसे कहते हैं? उसके प्रकार व प्र प्रकार अर्थ सहित लिखें।

(घ) प्रतिसेवना का कर्मबंध, कर्मवेदन, कर्मउदीरणा व उपसंपद्‌द्यन द्वार लिखें।